सिद्ध क्षेत्र

श्री नयनागिरि

Shri Nainagiri Siddha Kshetra, Madhya Pradesh

अर्घ

पावन परम सुहावनों, गिरि रेशिन्दी अनूप।
जजहूँ मोद उद धरि अति, कर त्रिकरण शुचिरूप॥
शुचि अमृत आदि समग्र, सजि वसु द्रव्य प्रिया।
धारों त्रिजगत पति अग्र, धर वर भक्त हिया॥

ॐ ह्रीं श्री नयनागिरि सिद्ध क्षेत्राय
अनर्घ्य पद प्राप्तये अर्घं
निर्वपामीति स्वाहा।